

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

कार्यशाला

काव्यशास्त्राऽऽलोचनम्

27.03.2018 -09.04.2018

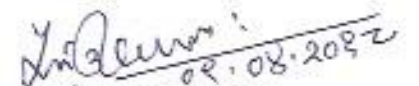
आयोजक विशिष्ट संस्कृत प्राच्य विभाग संयोजिका डॉ. पूजा उपाध्याय

दिनांक 27.3.2018 को माननीय कुलपति म.पा.स.वै. वि.वि. की अध्यक्षता तथा श्री मनोज कुमार तिवारी कुलसचिव, म.पा.स.वै.वि.वि. तथा शास्त्रमर्मज्ञ आचार्य डॉ. बालकृष्ण शर्मा, निदेशक सिन्धिया प्राच्य विद्या शोध प्रतिष्ठान विक्रम वि.वि. उज्जैन के सान्निध्य में उक्त कार्यशाला का उद्घाटन सत्र सम्पन्न हुआ।

म.पा.स.वै.वि.वि. के विशिष्ट संस्कृत प्राच्य विभाग द्वारा चतुर्दशदिवसीय कार्यशाला का समापन दिनांक 09.04.2018 को सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि संस्कृत जगत् के वरेण्य विद्वान प्रो. बालकृष्ण शर्मा, निदेशक सिन्धिया प्राच्य विद्या शोध प्रतिष्ठान विक्रम वि.वि. उज्जैन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. तुलसीदास परीहा ने की। उक्त कार्यशाला में 36 प्रतिभागी थे, जिन्होंने सतत 14 दिनों में काव्यशास्त्र के गूढ सिद्धांतों का अध्ययन किया। कार्यशाला में प्राध्यापक, शोधच्छात्र तथा स्नातक/स्नाकोत्तर स्तर के प्रतिभागी थे। चौदह दिनों में काव्यशास्त्र के मूर्धन्य विद्वान डॉ. बालकृष्ण शर्मा द्वारा काव्य-प्रकाश ग्रन्थ का पंक्तिपाठ पूर्वक प्रतिदिन अध्यापन प्रतिभागियों के लिए महदुपकास्क सिद्ध हुआ फलस्वरूप समस्त प्रतिभागियों ने काव्यशास्त्र पर आधारित परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उक्त कार्यशाला में आयोजित व्याख्यान सत्रों में विविध सम्प्रदायों पर आदरणीय प्रो. केदारचारायण जोशी, प्रो. अजिता त्रिवेदी, प्रो. वन्दना नाफड़े, प्रो. वन्दना त्रिपाठी तथा डॉ. अर्चना जोशी द्वारा प्रतिभागियों का प्रबोधन तथा मार्गदर्शन किया गया।

कार्यशाला के समापन के अवसर पर सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया प्रतिभागियों ने इस अवसर पर अपने अनुभवों को व्यक्त किया तथा अपने बौद्धिक विकास हेतु निरंतर इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन की आवश्यकता को व्यक्त किया। कार्यशाला में विशिष्ट तथा नियमित प्रतिभागी अंग्रेजी अध्ययनशाला, विक्रम वि.वि. उज्जैन के उपाचार्य डॉ. रुबल वर्मा ने POSDCORB के सिद्धांत पर कार्यशाला को सफल बताया।

श्रेष्ठ आचार्य डॉ. बालकृष्ण शर्मा द्वारा शास्त्राध्ययन में प्रवृत्ति हेतु प्रेरक उद्बोधन तथा आशीर्वचन के पश्चात् अध्यक्षीय वक्तव्य के साथ उक्त कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यशाला के सभी प्रतिभागियों तथा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से पूज्य गुरुवर प्रो. बालकृष्ण शर्मा जी के प्रति तथा समागत विद्वानों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित की गई।


09.04.2018
कार्यशाला संयोजिका

डॉ. पूजा मनमोहन उपाध्याय